केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation under the Ministry of Education, Govt. of India)

26.08.2025

प्रेस प्रकाशनी

सीबीएसई-एम्स दिल्ली ने सीबीएसई स्कूल परामर्शदाताओं/वेलनेस शिक्षकों के लिए प्रोजेक्ट MATE प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के सहयोग से 26 अगस्त 2025 को एम्स दिल्ली में प्रोजेक्ट MATE (माइंड एक्टिवेशन थ्रू एजुकेशन) के अंतर्गत ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली में विकसित प्रोजेक्ट MATE एक अग्रगामी किशोर वेलनेस कार्यक्रम है जिसका लक्ष्य विद्यार्थियों में मानसिक दृढ़ता को संवर्धित करना, चुनौतियों का सामना करने की रणनीतियाँ सिखाना और "MATE-5" की अवधारणा के माध्यम से सार्थक सहपाठी/समकक्षी संबंधों को बढ़ावा देना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 से 30 अगस्त 2025 तक मनोचिकित्सा, मनोविज्ञान और संचार के अग्रणी विशेषज्ञों द्वारा संचालित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रारंभ में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लगभग 50 सीबीएसई से सम्बद्ध स्कूल परामर्शदाता शामिल किए गए हैं।

उद्घाटन समारोह में प्रोफेसर डॉ. एम. श्रीनिवास, निदेशक, एम्स; श्री राहुल सिंह, आईएएस, अध्यक्ष, सीबीएसई; श्री हिमांशु गुप्ता, आईएएस, सचिव, सीबीएसई; प्रोफेसर डॉ. के.के. वर्मा, संकायाध्यक्ष शैक्षणिक, एम्स; एवं प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स उपस्थित थे।

श्री राहुल सिंह, अध्यक्ष, सीबीएसई ने स्वास्थ्य और शिक्षा को एक समग्र दृष्टिकोण से एकीकृत करने की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के निरंतर गतिशील और तकनीकी युग में बच्चे अकेलापन, तनाव और भावनात्मक अलगाव की समस्याओं से अधिक प्रभावित हो रहे हैं। प्रोजेक्ट MATE इन आवश्यकताओं को पूरा करने की रूपरेखा प्रदान करता है ताकि स्कूल परामर्शदाता और शिक्षकों को सार्थक मध्यवर्तन के लिए आवश्यक जानकारी/साधन मिलें। उन्होंने इस पहल को एम्स और सीबीएसई के समग्र बाल विकास और भविष्य के अनुरूप शिक्षा के व्यापक संदृश्य का हिस्सा बताया।

प्रोफेसर डॉ. एम. श्रीनिवास ने प्रोजेक्ट MATE को एक परिवर्तनकारी पहल की शुरुआत बताया जो समग्र विकास के दो महत्वपूर्ण आधारों अर्थात शिक्षा और स्वास्थ्य को एक साथ लाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सकारात्मक मध्यवर्तन विद्यार्थियों के कल्याण के लिए विद्यमान ढांचे में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने मानसिक दृढ़ता, किशोर कल्याण की महत्ता, तथा अभिभावकों, परामर्शदाताओं और शिक्षकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर भी बल दिया।

श्री हिमांशु गुप्ता, सचिव, सीबीएसई ने कार्यक्रम को सीबीएसई और एम्स के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोगात्मक कदम बताया। उन्होंने परामर्शदाताओं से पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण पूरी लगन के साथ पूरा करने का अनुरोध किया और कहा कि इस पायलट पहल के परिणामों की नियमित निगरानी की जाएगी। इन अनुभवों के आधार पर कार्यक्रम को और परिष्कृत कर देशव्यापी विस्तार के लिए तैयार किया जाएगा ताकि छात्रों को समुचित लाभ मिल सके व विद्यालय परामर्श प्रणाली को और मजबूत किया जा सके।

प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार ने सामाजिक संबंधों, सकारात्मक संवेदी अनुभवों और सहयोगात्मक वातावरण के महत्व पर प्रकाश डाला जो छात्रों के मनो-सामाजिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को सामान्य स्वास्थ्य का हिस्सा मानने और प्रारंभिक स्कूल-आधारित परामर्श को समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पाँच दिवसीय कार्यक्रम में स्वास्थ्य, पोषण, परिवार और सामाजिक भूमिकाओं, खुशी, काउंसलिंग तंत्र और अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रोफेसर डॉ. के. के. वर्मा ने सुझाव दिया कि इस महत्वपूर्ण पहल को सीमित न रखकर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार दिया जाना चाहिए ताकि पूरे देश के छात्र स्वस्थता/कल्याण पर संरचित इसकी रूपरेखा का लाभ उठा सकें। पाँच दिनों में स्कूल परामर्शदाता और वेलनेस शिक्षक स्वास्थ्य के जैव-चिकित्सकीय-मनोवैज्ञानिक मॉडल, तनाव प्रबंधन तकनीक, अभिभावक सुग्राहीकरण, प्रभाव आकलन साधन और सकारात्मक सहपाठी/ समकक्षी समर्थन प्रणालियों पर केंद्रित कार्यशालाओं में भाग लेंगे।

इस पहल से भावनात्मक दृढ़ता, विवाद समाधान, डिजिटल वेलनेस और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देने में परामर्शदाताओं का क्षमता निर्माण किया जाएगा तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति स्कूल पारिस्थितिकी में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने पर बल दिया जाएगा।

इस सहयोग के माध्यम से, सीबीएसई समग्र शिक्षा और किशोर स्वस्थता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करते हुए दोहराता है कि छात्र चुनौतियों से उभर कर अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में सफल हों।

सचिव, सीबीएसई

झलकियाँ

GLIMPSES

MITE
Mind Activation Through Education
Building Wellness, Building Futures
5 DAYS
Adolescent Wellness Training Programme
Tuesday 26th August - Saturday, 30th August, 2025
(An initiative by the Department of Psychiatry)
Ramalingswamy Boardroom
(Adjacent Director's Office)